एहि वर्ग मे **'मैथिली व्याकरण, रचना एवं साहित्य-रूप'**क एक स्वतंत्र पोथी रहत जे वर्ग **XI** एवं वर्ग **XII** दुनूक शिक्षार्थी हेतु उपादेय होयत। एकर व्याकरण एवं रचना खंडमे वर्तनी, उच्चारण, वाक्य रचना, शब्द-भेद, वाक्यान्तरण, संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया, क्रिया विशेषण, अव्यय, काल सन्धि एवं ओकर भेद, कहबी (लोकोक्ति) आदि वर्ग **XI**क छात्रक अनुशीलन लेल अपेक्षित होयत।

साहित्य रूप वला खंड काव्यशास्त्र, काव्य-रूप एवं साहित्यिक विधाक मूलभूत अवधारणासँ छात्रकेँ अवगत कराओत जकर अन्तर्गत **XI** हेतु निर्धारित अंश शब्द-शक्ति, रस, छंद, अलंकारक अतिरिक्त महाकाव्य, खंडकाव्य, मुक्तक, तथा गद्यक विभिन्न विधा एवं रचना-रूप, जेना – निबंध एवं ओकर प्रकारक संगहि कथा, उपन्यास, रेखाचित्र, शब्दचित्र, जीवनी, संस्मरण तथा नाटक ओ एकांकी विषयक मौलिक ज्ञान अछि।

**पूरक पाठ्यपुस्तक :**

पूरक पाठ्यपुस्तकक रूपमे **'मैथिली भाषा एवं साहित्यक कथा'** नामक एक पुस्तक सेहो रहत जे वर्ग **XI** एवं **XII** दुनूक छात्र लेल उपयोगी होयत। मात्र पाठ्य-विषय फराक रहत। एहि खंडक पाठ्यक्रमक विषयवस्तुकेँ संक्षिप्त राखि रोचक शैलीमे छात्र लोकनिक हेतु लिखल जायत। वस्तुत: मैथिली साहित्यक एक संक्षिप्त रेखांकन **(Sketch)** मात्रसँ हुनका अभिज्ञ करा देबाक प्रयोजन अछि जे भविष्यमे भाषा-साहित्यक गंभीर अध्येता नहियो होइत विभिन्न प्रतियोगिता परीक्षा लेल हुनक उपादेय हो।

एहि पोथीमे मैथिली भाषाक उद्भव पर एक संक्षिप्त टिप्पणीक संगहि साहित्यक विभिन्न कालक संक्षिप्त साहित्यिक पृष्ठभूमि, मुख्य प्रवृत्ति एवं उल्लेखनीय साहित्यकार लोकनिक व्यक्तित्व एवं कृतित्वक सामान्य परिचय रहत। वर्ग **XI**क छात्रसँ मात्र आदिकालसँ मध्यकालक अन्त धरिक विषयवस्तुक अध्ययन अपेक्षित रहत।

## ( वर्ग – XII )

एहि वर्गमे छात्र लोकनिक अध्ययन हेतु **'तिलकोर भाग-2'** नामक पुस्तक होयत जाहिमे 15 गोट गद्य पाठ, 15 गोट पद्य पाठ एवं 3 पाठ द्रुतवाचनक लेल होयत :

## तिलकोर भाग - 2

### गद्य खंड :

(1) ज्योतिरीश्वर ठाकुर (2) म० म० परमेश्वर झा (3) सर गंगानाथ झा (4) कुमार गंगानन्द सिंह (5) दुर्गानाथ झा श्रीश (6) प्रबोध नारायण सिंह (7) मायानन्द मिश्र (8) प्रभास कुमार चौधरी (9) मनमोहन झा (10) भाग्यनारायण झा (11) ललित (12) भीमनाथ झा (13) राजकमल चौधरी (14) डॉ० जगदीशचन्द्र झा (15) उषा किरण खान।

### पद्य खंड :

(1) गोविन्ददास (2) मनबोध (3) हर्षनाथ झा (4) लालदास (5) काशीकान्त मिश्र 'मधुप' (6) काञ्चीनाथ झा 'किरण' (7) भुवनेश्वर सिंह 'भुवन' (8) वैद्यनाथ मल्लिक 'विधु' (9) उपेन्द्र ठाकुर 'मोहन' (10) आरसी प्रसाद सिंह (11) पं० गोविन्द झा (12) मार्कण्डेय प्रवासी (13) गौरीकान्त चौधरी 'कान्त' (14) सोमदेव (15) मंत्रेश्वर झा।

**द्रुतवाचन खंड** : विश्वक तीन प्रतिनिधि कथा।

एहि वर्गमे **' मैथिली व्याकरण, रचना एवं साहित्य-रूप'** नामक पुस्तक (जे छात्र वर्ग **XI** मे पहिनहि अध्ययन कऽ चुकल छथि) मे सँ निम्नलिखित व्याकरण खंडक अध्ययन अपेक्षित होयत– संधि ओ संधि-विच्छेद, समास एवं ओकर प्रकार, वाच्य एवं ओकर भेद, उपसर्ग एवं प्रत्यय, विपरीतार्थक, पर्यायवाची, श्रुतिसमभिन्नार्थक, वाक्य-प्रकार, वाक्यान्तरण, संक्षेपण,

मुहावरा एवं कहबी (लोकोक्ति)। एकर अतिरिक्त निबंध, वार्त्ता, टिप्पणी, पत्र आदिक लेखनसँ जुड़ल अभ्यास वांछित होयत। साहित्य रूपवला खंडमे आधुनिक कविताकेँ बुझबाक लेल आवश्यक पारिभाषिक जानकारी देल जायत। बिम्ब, प्रतीक, रूपक, कल्पना तथा यथार्थ आदि विषयक अवधारणाकेँ सुगम रूपसँ बुझाओल जायत।

वर्ग **XI** मे पहिनहिसँ पढ़ल पोथी **'मैथिली भाषा एवं साहित्यक कथा'**क ओ अंश वर्ग **XII** हेतु छात्र लोकनिक अध्ययन हेतु अपेक्षित होयत जाहिमेसँ सम्बन्धित विवरण आधुनिक कालक विभिन्न साहित्यिक गतिविधि, ऐतिहासिक विकासक्रम, प्रमुख गद्यकार ओ पद्यकार होयत।

**5. मूल्यांकन :**

अधिगमक स्तरक मूल्यांकन हेतु शिक्षार्थी लोकनिसँ वस्तुनिष्ठ ओ आत्मनिष्ठ – दुनू तरहक प्रश्न पूछल जायत। गद्य ओ पद्य– दुनू भागसँ किछु परिचयात्मक वस्तुनिष्ठ प्रश्न (यथा– लेखक/कथाकार/कवि/एकांकीकारक नाम- उपनाम, हुनक साहित्यिक कृति आदिक नाम), किछु आत्मनिष्ठ अथवा दीर्घउत्तरीय प्रश्न (जेना– प्रतिपादित विषयवस्तुक मूल्यांकन आदि) तथा किछु गद्य अथवा पद्य भागक अर्थ– लेखन किंवा सप्रसंग व्याख्याक प्रश्न रहत।

एकर अतिरिक्त **'व्याकरण, रचना एवं साहित्य-रूप'** सँ सेहो व्याकरण ओ विविध साहित्यरूपसँ सम्बन्धित प्रश्न राखि छात्रक सतत् मूल्यांकनक अपेक्षा कयल जायत।

**6. परीक्षा :**

वर्ग-**XI** में तीन सावधिक परीक्षा होयत। प्रत्येकक पूर्णांक 100 होयत। तीनू परीक्षाक अंकक योगफलक औसत निकालि लेल जायत। एहि विधिएँ प्राप्त अंक छात्रक वार्षिक परीक्षाफल होयत।